Title: Requested to protect the sculptures in the Tikamgarh Fort in Rajasthan from the hands of international smugglers and thieves.

श्रीमती जस कौर मीणा (सवाई माधोपुर) : सभापति महोदय, आपने अति संवेदनशील मुद्दा उठाने की मुझे अनुमति दी है, इसके लिए धन्यवाद। राजस्थान प्रान्त ऐतिहासिक इमारतों के लिए सारे संसार में जाना जाता है। मेरे संसदीय क्षेत्र में इतिहास प्रसिद्द टिनमगढ़ दुर्ग है। उसकी एक विशेाता है कि वहां कोई भी पत्थर ऐसा नहीं है जिस की मूर्ति कला की अद्भुत और बहुत सुन्दर झलक दिखाई न देती हो। इस किले में असंख्य मूर्तियां हैं जिन की कीमत यदि अन्तर्राट्रीय स्तर पर आंकी जाए तो वह इतनी ऊंची है कि इन मूर्तियों के लोभ में अन्तर्राट्रीय स्तर के गिरोह पनप गए हैं। वे वहां से मूर्ति चोरी करके बाहर ले जा रहे हैं। 6 अगस्त को वहां से एक मूर्ति निकाली गई जिस की अन्तर्राट्रीय कीमत दो करोड़ रुपए थी। उस मूर्ति को निकालने वाले हैलीकॉप्टर से उस दुर्गम किले में उतरे और वहां से मूर्ति लेकर चले गए। राजस्थान सरकार को जब यह जानकारी मिली तो उसने आसपास जो गरीब लोग पशु-पालन में लगे थे, उनके और खेतिहर मजदूरों के ऊपर इस कद्र अत्याचार किया कि महिलाओं तक को नहीं बख्शा। वे गूजर समुदाय की महिलाएं थी। उनके साथ जिस तरह का दुर्व्यवहार वहां की पुलिस ने किया, उससे जबर्दस्त आन्दोलन भी हुआ। उस अन्तर्राट्रीय गिरोह के पीछे कोई नहीं पड़ा और उसे पकड़ने की कोशिश नहीं की। गरीब लोगों पर अत्याचार किए जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक इमारत की धरोहर को यदि पुरातत्व विभाग नहीं सम्भालती है तो बहुत बड़ी त्रुटि हो जाएगी। वहां असंख्य मूर्तियां इसी तरह चोरी हो रही हैं। इन मूर्तियों के तस्कर अन्तर्राट्रीय गिरोह के लोग हैं। इसके बदले में गरीबों को फंसा कर उनके साथ अन्याय हो रहा है। इस ओर विशेा ध्यान दिया जाए और इस दुर्ग को पुरातत्व विभाग अपनी देखरेख में संभाले।